EDITOR'S SCATVIEW

Manoj Kumar Madhavan

Satellite broadband is the next big thing touted to change the broadband industry. The fact that some of the biggest names like Bharati Airtel, Tesla, Hughes, Amazon are looking at this space is bound to kickstart investments into this sector. Satellite broadband services is likely to propel the satellite broadband market to 3.5 million subscribers in 2021, growing at a compound annual growth rate (CAGR) of 8% to reach 5.2 million subscribers in 2026, and generate $4.1 billion revenue.

This issue takes a focussed look at various aspects of satellite technology and also provides an overview of the leading global satellites.

The Indian TV market including subscription and advertising will reach $12.3 billion by 2025.96 per cent of India's pay-TV homes will be digitalised by 2025. The total pay-TV subscribers will further expand from 127 million in 2020 to 134 million during the period. The DTH pay-TV subscribers will reach 68 million by 2025.India is among a handful of countries where there is great scope for further penetration of television.

Reliance Industries plans to sell stakes in its cable distribution platforms Hathway Cable and Datacom and DEN Networks to comply with SEBI's minimum public holding norms. The conglomerate plans to sell stakes for ₹ 853 crore and ₹ 269 crore in Hathway and DEN respectively through an offer for sale (OFS).

Siti Networks has launched Siti PlayTop Android TV set top box a 4K HDR STB which offers Android TV features along with linear TV. NAGRA's first Android TV project deployed in India is based on the Google MediaCAS framework for Android TV deployments.

The Indian news channels have also managed to hold good in the pandemic in terms of revenues and we take a look at the numbers in this issue in an article.

The second wave of pandemic is creating havoc across India. The industry was looking at regaining some lost ground ever since the lockdown, and the decline of Covid cases by February 2021. We can only hope and pray that things start looking better in the next few months.

(Manoj Kumar Madhavan)

*सैटेलाइट ब्रॉडबैंड, ब्रॉडबैंड उद्योग को बदलने के लिए अगली बड़ी बात है। तथ्य यह है कि भारती एयरटेल, टेस्ला, ह्यूजेस, अमेजन जैसे कुछ सबसे बड़े नाम इस स्थान की ओर देख रहे हैं, इस क्षेत्र में निवेश के लिए बाध्य हैं। सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाओं के **2021** में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड बाजार में **3.5** मिलियन उपभोक्ताओं तक पहुंचने की संभावना है, जो **2026** में **5.2** मिलियन ग्राहकों तक पहुंचने के लिए **8%** चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ रही है और **4.1** बिलियन डॉलर का राजस्व उत्पन्न करती है।*

यह अंक सैटेलाइट तकनीकी के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करता है और विश्वभर के प्रमुख सैटेलाइटों का अवलोकन प्रदान करता है।

*सब्सक्रीप्शन व विज्ञापन सहित भारतीय टीवी बाजार **2025** तक **12.3** बिलियन डॉलर तक पहुंच जायेगा। **2025** तक भारत के पे टीवी घरों का **96** प्रतिशत डिजिटल हो जायेगा। **2020** में कुल पे टीवी ग्राहकों का विस्तार **127** मिलियन से बढ़कर **134** मिलियन हो गया। डीटीएच पे टीवी सब्सक्राइबर **2025** तक **68** मिलियन तक पहुंच जायेगा। भारत उन गिने–चुने देशो में से है, जहां टेलीविजन के आगे बढ़ने की बहुत गुंजाइश है।*

*सेबी के न्यूनतम सार्वजनिक होल्डिंग मानदंडों के अनुपालन के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने केबल वितरण प्लेटफार्मों हैथवे केबल एंड डेटाकॉम और डेन नेटवर्क में हिस्से बेचने की योजना बनायी है। समूह ने बिक्री के लिए एक प्रस्ताव के माध्यम से क्रमशः हैथवे व डेन में **853** करोड़ रुपये और **269** करोड़ रुपये में हिस्सेदारी बेचने की योजना बनायी है।*

*सिटी नेटवर्क ने सिटी प्ले टॉप एंड्रॉयड टीवी सेट टॉप बॉक्स एक **4**के एचडीआर एसटीवी लॉन्च किया है जो कि लिनियर टीवी के साथ एंड्रॉयड टीवी सुविधायें प्रदान करता है। नागरा ने पहली एंड्रॉयड टीवी परियोजना भारत में शुरू की है जो कि एंड्रॉयड टीवी प्रस्तुतिकरण के लिए गुगल मीडिया सीएएस फ्रेमवर्क पर आधारित है।*

भारतीय समाचार चैनल भी राजस्व के मामले में महामारी में अच्छी पकड़ बनाने में कामयाब रहे हैं और हम इस अंक में एक लेख में इस मुद्दे पर संख्याओं पर एक नजर डालते हैं।

*महामारी की दूसरी लहर पूरे भारत में कहर ढ़ा रही है। उद्योग लॉकडाउन के बाद और फरवरी **2021** तक कोविड मामलों में गिरावट के बाद से कुछ खोई हुई जमीन पाने की ओर देख रहा था। हम आशा और प्रार्थना कर सकते हैं कि अगले कुछ महीनों में चीजें बेहतर दिखने लगे।*

(Manoj Kumar Madhavan)